समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

डॉक्टर से IPS तक : जाने उंत्तर प्रदेश की महिला अफसर दीक्षा शर्मा की प्रेरणादायक कहानी

Publisher

Published on 20 Sep 2025

उत्तर प्रदेश की महिला आईपीएस अधिकारी **दीक्षा शर्मा** की कहानी आज लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है। उनका जीवन यह साबित करता है कि दृढ़ निश्चय और मेहनत से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

दीक्षा ने पहले **एमबीबीएस** की पढ़ाई पूरी की और दिल्ली के प्रतिष्ठित अस्पताल में **स्त्री रोग विशेषज्ञ (गायनोकॉलॉजिस्ट)** के तौर पर कुछ समय नौकरी भी की। लेकिन उनके मन में हमेशा समाज के लिए सीधे काम करने और बदलाव लाने की चाह बनी रही। इसी चाह ने उन्हें डॉक्टर से **भारतीय पुलिस सेवा (IPS)** का अधिकारी बना दिया।

शिक्षा और शुरुआती जीवन

दीक्षा शर्मा बचपन से ही मेधावी छात्रा रही हैं। पढ़ाई के प्रति उनका रुझान मजबूत था। परिवार ने भी उन्हें हर कदम पर प्रोत्साहित किया। इसी कारण उन्होंने **एमबीबीएस की डिग्री** हासिल की और डॉक्टर बनने का सपना पूरा किया।

दिल्ली में चिकित्सा क्षेत्र में काम करते हुए उन्हें समाज की जमीनी सच्चाइयों और महिलाओं की चुनौतियों को नजदीक से देखने का अवसर मिला। यहीं से उनके भीतर समाज सेवा की भावना और प्रबल हुई।

मेडिकल से प्रशासनिक सेवा की ओर

हालांकि डॉक्टर बनने के बाद भी दीक्षा के मन में सवाल था कि क्या वे केवल इलाज तक ही सीमित रह जाएंगी या समाज की व्यापक समस्याओं को हल करने का प्रयास करेंगी।

उन्होंने ठान लिया कि वे **सिविल सेवा परीक्षा** देकर एक ऐसे पद पर जाएंगी, जहां से वे समाज की समस्याओं का समाधान कर सकें। इसके बाद उन्होंने कठिन परिश्रम और निरंतर अध्ययन के जरिए UPSC परीक्षा पास की और **IPS अधिकारी** बनीं।

IPS बनने की प्रेरणा

दीक्षा शर्मा ने खुद कई बार कहा है कि **महिलाओं की सुरक्षा और अधिकार** को लेकर उनमें गहरी संवेदनशीलता रही है। डॉक्टर रहते हुए भी उन्होंने महिलाओं की परेशानियों और सामाजिक दबाव को देखा था।

यही अनुभव उन्हें एक सशक्त भूमिका निभाने की ओर ले गया। IPS बनने के बाद उन्होंने कहा कि अब उन्हें अपने कर्तव्यों को निभाने का एक व्यापक और प्रभावी मंच मिला है।

समाज के लिए योगदान

IPS अधिकारी बनने के बाद दीक्षा शर्मा ने अपने कार्यों से यह साबित किया कि वे केवल पद पर बैठने के लिए नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आई हैं।

- उन्होंने महिला सुरक्षा अभियानों को प्राथमिकता दी।
- पुलिस विभाग में **संवेदनशीलता और पारदर्शिता** बढ़ाने पर ध्यान दिया।
- युवाओं और छात्राओं के बीच जाकर **प्रेरणादायी व्याख्यान** दिए।

उनकी कार्यशैली ने उन्हें सिर्फ प्रशासनिक अधिकारी ही नहीं, बल्कि एक **रोल मॉडल** भी बना दिया है।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल

आज दीक्षा शर्मा उन लाखों युवतियों के लिए प्रेरणा हैं जो यह मानती हैं कि करियर बदलना या नई राह चुनना मुश्किल होता है। उन्होंने साबित किया कि सही निर्णय, मेहनत और लगन से सब संभव है।

उनकी सफलता यह संदेश देती है कि चाहे आप किसी भी क्षेत्र में हों, यदि दिल में समाज सेवा का जज्बा है तो हर राह खुली है।

दीक्षा शर्मा से सीख

दीक्षा शर्मा का जीवन हमें कई बातें सिखाता है—

1. **कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय** से कोई भी मंजिल हासिल की जा सकती है।
2. करियर बदलना असफलता नहीं, बल्कि नई शुरुआत है।
3. समाज सेवा केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं होती, हर क्षेत्र से की जा सकती है।
4. महिलाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए साहस और आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए।

डॉक्टर से IPS बनने तक का दीक्षा शर्मा का सफर केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह **महिला सशक्तिकरण और सामाजिक बदलाव का प्रतीक** है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.